मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

सहायक प्राध्यापक परीक्षा–2022

-::परीक्षा योजना::-

(अ) अंक–योजना :–

प्रश्न पत्र	परीक्षा	प्रश्नों की संख्या	पूर्णांक	अवधि
प्रथम प्रश्न पत्र	मध्यप्रदेश, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर का सामान्य ज्ञान तथा कम्प्यूटर का आधारभूत ज्ञान	50	200	01 घंटा
द्वितीय प्रश्न पत्र	विषय– संबंधित विषय	150	600	03 घंटे
	योग	200	800	
	साक्षात्कार		100	
	कुल अंक		900	

(ब) प्रश्न पत्र योजना :–

1. परीक्षा का आयोजन दो सत्रों में होगा ।
2. प्रथम प्रश्न पत्र की विषयवस्तु – मध्यप्रदेश, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर का सामान्य ज्ञान तथा कम्प्यूटर का आधारभूत ज्ञान से संबंधित 50 प्रश्न होंगे । द्वितीय प्रश्न पत्र में विषय से संबंधित प्रश्नपत्र में 150 प्रश्न होंगे। इस प्रकार दोनों प्रश्न पत्र में कुल–200 प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा। इस प्रकार दोनों प्रश्न–पत्रों का पूर्णांक 800 अंकों का होगा।
3. दोनों प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ (बहुविकल्पीय) प्रकार के होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु चार विकल्प (A,B,C,D) होंगे। अभ्यर्थी को उक्त विकल्पों में से केवल एक सही विकल्प का ही चयन करना होगा। अभ्यर्थी द्वारा एक से अधिक विकल्पों का चयन करने पर उत्तर निरस्त कर दिया जाएगा।
4. प्रथम प्रश्न पत्र की अवधि 01 घंटे की होगी । इस प्रश्न पत्र में 50 प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा। द्वितीय प्रश्न पत्र की अवधि 03 घंटे की होगी । द्वितीय प्रश्न पत्र में संबंधित विषय के 150 प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे तथा प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा इस प्रकार लिखित परीक्षा की मेरिट दोनों प्रश्न पत्रों के प्राप्तांको को जोड़कर बनेगी।
5. दोनों ही प्रश्न पत्रों में पृथक–पृथक 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा। मध्यप्रदेश के अधिसूचित अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST) तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC), आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) एवं दिव्यांगजन (PH) श्रेणी के आवेदकों को परीक्षा में उत्तीर्ण होने हेतु 10–10 प्रतिशत अंकों की छूट दी जाएगी इस प्रकार उक्त श्रेणी के आवेदकों को परीक्षा में उत्तीर्ण होने हेतु प्रत्येक प्रश्न–पत्र में पृथक–पृथक न्यूनतम 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा।
6. भाषा संबंधी प्रश्न–पत्रों को छोड़कर समस्त प्रश्न–पत्र हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में होंगे।

7. परीक्षा परिणाम के साथ ही अभिलेख–प्रेषण हेतु अंतिम तिथि निर्धारित कर परीक्षा में प्रावधिक सफल अभ्यर्थियों से उनकी अर्हता से संबंधित सभी अभिलेख प्राप्त किए जाएँगे तथा केवल उन्हीं अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किया जाएगा जो अभिलेखों की सूक्ष्म जाँच उपरान्त अर्ह पाए जाएँगे। अंतिम निर्धारित तिथि पश्चात आयोग द्वारा अभिलेख स्वीकार्य नहीं किए जाएंगे।

8. साक्षात्कार :–

साक्षात्कार 100 अंकों का होगा। साक्षात्कार हेतु कोई न्यूनतम उत्तीर्णांक निर्धारित नहीं हैं।

(स) चयन–प्रक्रिया :–

1) चयन–प्रक्रिया के प्रथम चरण में संबंधित प्रश्न पत्र की ऑफलाइन पद्धति (OMR Sheet आधारित) परीक्षा/ऑफलाइन परीक्षा का आयोजन किया जाएगा।

2) परीक्षा उपरान्त परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों की प्रावधिक उत्तर कुंजी तैयार कर आयोग की वेबसाइट www.mppsc.mp.gov.in पर प्रकाशित कर 07 दिवस की अवधि में आपत्तियाँ प्राप्त की जाएगी। इस अवधि के पश्चात् प्राप्त किसी भी अभ्यावेदन पर कोई विचार एवं पत्राचार नहीं किया जाएगा । आपत्ति हेतु दिया गया शुल्क किसी भी स्थिति में वापस नहीं किया जाएगा। प्राप्त आपत्तियों पर आयोग द्वारा गठित विषय–विशेषज्ञ समिति द्वारा आपत्तियों पर विचार कर निम्नांकित कार्यवाही की जाएगी :–

1. ऐसे प्रश्न जिनका प्रावधिक कुंजी में दिए गए विकल्पों में से गलत उत्तर दिया गया है और विकल्पों में अन्य विकल्प सही है, तब प्रावधिक उत्तर कुंजी को संशोधित किया जाएगा ।
2. प्रश्न पत्र में अनुवाद की भाषा में भिन्नता की स्थिति में केवल हिन्दी अनुवाद ही मान्य होगा। **(केवल द्वि–भाषी प्रश्न–पत्रों पर लागू)**
3. ऐसे प्रश्न जिसका दिए गए विकल्पों में एक से अधिक सही उत्तर है, सभी सही उत्तरों को मान्य किया जाएगा ।
4. ऐसे प्रश्न जिसका दिए गए विकल्पों में एक भी सही उत्तर न हो, प्रश्न को प्रश्न–पत्र से विलोपित किया जाएगा ।
5. विषय–विशेषज्ञ समिति द्वारा समस्त अभ्यावेदनों पर विचार करने के पश्चात् अंतिम उत्तर कुंजी बनाई जाएगी तथा आयोग द्वारा वेबसाइट www.mppsc.mp.gov.in पर प्रकाशित की जाएगी। अंतिम उत्तर कुंजी के प्रकाशन के पश्चात् अभ्यर्थियों के कोई भी आपत्ति/पत्र व्यवहार मान्य नहीं किया जाएगा । विषय–विशेषज्ञ समिति का निर्णय अंतिम होगा ।

6. उपरोक्तानुसार समिति द्वारा विलोपित किए गए प्रश्नों को छोड़कर शेष प्रश्नों के आधार पर अंतिम उत्तर कुंजी के अनुसार अभ्यर्थियों का मूल्यांकन कर परीक्षा–परिणाम घोषित किया जाएगा।

3) परीक्षा में प्राप्तांक के गुणानुक्रम के आधार पर विभिन्न प्रवर्गों हेतु विज्ञापित रिक्तियों के अधिकतम 3 गुना तथा समान अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को साक्षात्कार में अभिलेख प्रस्तुत करने हेतु प्रावधिक सफल घोषित किया जाएगा।

4) साक्षात्कार में अनुपस्थित रहने वाले अभ्यर्थियों को चयन के लिये अनर्ह माना जाएगा। साक्षात्कार के लिए आवेदकों को बुलाने के संबंध में आयोग का निर्णय अंतिम होगा। यह निर्णय आयोग की वेबसाइट www.mppsc.mp.gov.in पर उपलब्ध रहेगा। अभ्यर्थी समय–समय पर आयोग की वेबसाइट का अवलोकन करते रहें।

5) विज्ञापन की कंडिका–सात–चयन प्रक्रिया (1) के अनुसार–यदि अभ्यर्थी मध्यप्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में सहायक प्राध्यापक का कार्य अतिथि विद्वान के रूप में किया है तो उनके द्वारा अतिथि विद्वान के रूप में किए गए कार्य के आधार पर विभाग द्वारा निर्धारित मापदण्ड अनुसार प्राप्त वरीयता अंक के योग के गुणानुक्रम के आधार पर होगा।

6) आयोग की परीक्षा प्रणाली में पुनर्मूल्यांकन/पुनर्गणना का कोई प्रावधान नहीं है। इस विषय में प्राप्त अभ्यावेदनों पर कोई कार्यवाही नहीं की जाएगी।

परीक्षा नियंत्रक

सहायक प्राध्यापक परीक्षा–2022

पाठ्यक्रम–प्रथम प्रश्न–पत्र

मध्यप्रदेश, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर का सामान्य ज्ञान तथा कम्प्यूटर का आधारभूत ज्ञान

1. <u>मध्यप्रदेश का इतिहास, संस्कृति एवं साहित्य</u>

- मध्यप्रदेश के इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाएँ, प्रमुख राजवंश।
- स्वतंत्रता आन्दोलन में मध्यप्रदेश का योगदान।
- मध्यप्रदेश की कला एवं संस्कृति।
- मध्यप्रदेश की प्रमुख जनजातियाँ एवं बोलियाँ।
- प्रदेश के प्रमुख त्यौहार, लोक संगीत एवं लोक कलाएँ।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख साहित्यकार एवं उनकी रचनाएँ।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थल।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख व्यक्तित्व।

2. <u>मध्यप्रदेश का भूगोल</u>

- मध्यप्रदेश के वन, पर्वत तथा नदियाँ।
- मध्यप्रदेश की जलवायु।
- मध्यप्रदेश के प्राकृतिक एवं खनिज संसाधन।
- ऊर्जा संसाधन : परंपरागत एवं गैर पंरपरागत।
- मध्यप्रदेश की प्रमुख सिंचाई एवं विद्युत परियोजनाएँ।

3. <u>मध्यप्रदेश की राजनीति एवं अर्थशास्त्र</u>

- मध्यप्रदेश की राजनीतिक व्यवस्था (राज्यपाल, मंत्रिमंडल, विधानसभा)
- मध्यप्रदेश में पंचायतीराज व्यवस्था।
- मध्यप्रदेश की सामाजिक व्यवस्था।
- मध्यप्रदेश की जनांकिकी एवं जनगणना।
- मध्यप्रदेश का आर्थिक विकास।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख उद्योग।
- मध्यप्रदेश में कृषि एवं कृषि आधारित उद्योग।

4. **अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं मध्यप्रदेश की महत्वपूर्ण समसामयिक घटनाएँ**

- महत्वपूर्ण समसामयिक घटनाएँ।
- देश एवं प्रदेश की प्रमुख खेल प्रतियोगिताएँ एवं पुरस्कार तथा खेल संस्थाएँ।
- मध्यप्रदेश राज्य की प्रमुख जन कल्याणकारी योजनाएँ।
- मध्यप्रदेश के चर्चित व्यक्तित्व एवं स्थान।

5. **सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी।**

- इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर्स, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी।
- रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलीजेन्स एवं सायबर सिक्यूरिटी।
- ई–गवर्नेन्स ।
- इंटरनेट तथा सोशल नेटवर्किंग साईट्स।
- ई–कॉमर्स।

---xxx---

ASSISTANT PROFESSOR EXAM-2022

SYLLABUS- PAPER-I

General knowledge of Madhya Pradesh, National and International level and basic knowledge of computer

1. History culture and literature of M.P.

- Important Historical events and Major dynasties of M.P.
- Contribution of Madhya Pradesh in the Independence movements.
- Art, Architecture and culture of M.P.
- Main Tribes and Dialects of M.P.
- Main festivals, folk music and folk art of M.P.
- Important literary figures of M.P. and their literature.
- Main Tourist places of M.P.
- Important personalities of M.P.

2. Geography of the Madhya Pradesh

- Forest, Mountain and Rivers of M.P.
- Climate of M.P.
- Natural and mineral resources of M.P.
- Energy Resources: Conventional and Non- conventional.
- Main irrigation and Power projects of M.P.

3. Politics and Economy of M.P.

- Political system of M.P. (Governor, Cabinet, Legislative Assembly).
- Panchayati Raj in M.P.
- Social system of M.P.
- Demography and census of M.P.
- Economic development of M.P.
- Main industries of M.P.
- Agriculture and Agri based industries in M.P.

4. Current events of International, National and M.P.

- Important Contemporaneous events.
- Famous sports competitions; awards and sports institution of the State and country.
- Welfare schemes of M.P. state.
- Famous personalities and Places.

5. Information and Communication Technology

- Electronics, computers, information and communication technology.
- Robotics, artificial intelligence and cyber security.
- E- Governance.
- Internet and Social networking site.
- E- Commerce.

---xxx---

सहायक प्राध्यापक परीक्षा–2022

संगीत

पाठ्यक्रम

इकाई–I तकनीकी शब्दावली

- नाद, श्रुति, स्वर, ग्राम, मूर्च्छना, जाति, ताल, तान, गमक, गांधर्व–गान, मार्गी–देशी, गान, वर्ण, अलंकार, हार्मोनी–मेलोडी, स्वर सप्तक, स्वर अन्तराल तथा उपस्वर।
- स्वरित, अल्पत्व–बहुत्व, आर्विभाव–तिरोभाव, उपांग भाषांग।
- पेशकार, कायदा, रेला, लग्गी, लडी, ताल, लय, मात्रा, आवर्तन, विभाग, सशब्द–निशब्द, क्रिया, ठेका, गत एवं उसके प्रकार।
- कृति, कीर्तन, पद, रागमालिका, तिल्लाना, न्यास, अंश, अनुप्रास।
- गीतीनाट्य, नृत्यनाट्य, वर्षा–मंगल, वसन्तोत्सव, मसीतखानी एवं रजाखानी गत, स्वरलिपि पद्धति पं. भातखण्डे एवं पं. पलुस्कर पद्धति के अनुसार।

Unit–I Technical Terminology

- Naad, Sruti, swar, Gram, Moorchana jati, Taal, Taan, Gamak, Gandharva-Gan, Margi-deshi Gaan,Varna, Alankar, Harmony Melody Musical Scale, musical interval and Harmonico.
- Swarit, Alpatava- Bahutava, Avirbhav- Tirolobhav, Upang Bhashang.
- Peshkar, Kayada, Rela, Laggi, Ladi, Taal, Laya, Matra, Avartana Vibhag, Sashabda- Nishabda, Kriya, Theka, Gat and their types
- Kruti, Kirtana, Pad, Ragmalika, Tillana, Nyas, Ansha, Anupras,
- Geeti-natya, Nritya-natya, Varsha-mangal, Vasantotsava, masitkhani Gat and Rajakhani Gat, Notation system according to Pt. Bhatkhande and Pt. Paluskar

इकाई–II प्रयोगात्मक शास्त्र

- रागों का विस्तृत अध्ययन, रागों का वर्गीकरण, ग्रामराग वर्गीकरण, मेलराग वर्गीकरण, रागरागिनी वर्गीकरण एवं रागांग वर्गीकरण।
- रागों का समय सिद्धांत, भारतीय संगीत में मेलोडी एवं हार्मोनी का प्रयोग, प्राचीन, मध्य तथा आधुनिक काल में श्रुतियों पर शुद्ध विकृत स्वरों की स्थापना,
- हिन्दुस्तानी संगीत में प्रचलित तालों का विस्तृत ज्ञान, ताल के दस प्राण, प्राचीन काल में मार्गी तथा देशी तालों का ज्ञान।

- तिहाई निर्माण के मूल सिद्धांत, चक्रदार गत, चक्रदार परन, ताल के दस प्राणों के संदर्भ में हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटक तालों का विस्तृत अध्ययन।
- विभिन्न लयकारियाँ– दुगुन, तिगुन, चौगुन आड़, कुआड़ बिआड़ एवं उनके क्रियात्मक प्रयोग सम्बन्धित विस्तृत जानकारी।

Unit–II Applied Theory

- Detail study of Ragas, classification of Ragas, Gram Raga Vargikaran, Mel Raga Vargikaran, Rag- Ragini Vargikaran, and Ragang Vargikaran
- Time theory of Ragas, The uses of Harmony and Melody in Indian Music, Placement of Shudha Vikrata Swars on Shruties in Ancient, Medieval and Modern Period.
- Detail knowledge of Prevalent talas of Hindustani music, Ten prans of Tala, Margi and Deshi Tal of ancient period.
- Original Principle of Tihai Formation, Chakradar Gat, paran, Detail study of Hindustani and Karnataka Tal system with special refrence to ten Prans of Tal.
- Detail study of different Layakaris-, Dugun, Tigun, Chagun, aad Kuaad, Biyad and method of apply them in compositions.

इकाई–III गेय विधाएँ तथा उनका विकास

- प्रबंध, ध्रुपद, ख्याल, धमार, ठुमरी, टप्पा, तराना, चतुरंग, त्रिवट, वृन्दगान, वृन्दवादन।
- जावली, कृति, तिल्लाना, आलाप, वर्णम, पदम, रागम, तानम, पल्लवी, वर्ण, स्वरजाति, रागमालिका।
- अष्टछाप के संतकवि और उनका हिन्दुस्तानी संगीत में सांगितिक योगदान।
- हवेली संगीत, मंदिर तथा राजदरबारों का संगीत।
- रंगमंच तथा संगीत का पारस्पारिक अंतर्सम्बन्ध।

Unit–III Compositions forms and Evolution

- Prabandh, Dhrupad, khyal, Dhamar, Thumri, Tappa, Tarana, Chaturang, Trivat, Vranda Gaan, Varnda Vadan.
- Javali, kruti, Tillana, Aalap, Varnam, Padam, Raagam, Taanam, Pallavi, Varna, Swar- Jaati, Ragmalika.
- Ashta Chhap saint Poet and their Musical contribution in Indian Music.
- Haveli Sangeet, Music of Indian Temples and Raj Darbar.
- Co-relation between Music and Theater.

इकाई–IV घराना और गायकी

- हिन्दुस्तानी संगीत में घरानों का उद्‌गम् एवं विकास
- गायन, वादन और नृत्य के घरानों का सामान्य अध्ययन,घरानों के गुण एवं दोष
- वर्तमान समय में घरानों की आवश्यकता एवं सम्भावनाएँ।
- विभिन्न प्रमुख घरानों के कलाकारों का सांगीतिक योगदान।
- संगीत शिक्षण में स्मृति और उपज अंग का महत्व।

Unit–IV **Gharana and Gayaki**

- Origin and development of Gharana in Hindustani Music.
- General Study of Gayan, Vadan and Nirtya Gharanas, merits and demerits of Gharana.
- Need and Possibilities of Gharana in present period.
- Prominent artist of various Gharana's and their musical contribution.
- Importance of memory and Upajang in music Teaching.

इकाई–V भारतीय संगीत के शास्त्रज्ञों का योगदान एवं उनकी शास्त्रात्मक परंपरा

- नारद, भरत, दत्तिल, मतंग, शारंगदेव, नान्यदेव, लोचन, रामामात्य, पुंडरिक विठ्ठल, सोमनाथ, दामोदर मिश्रा, अहोबल, हद्‌यनारायण देव, व्यंकटमुखी एवं श्रीनिवास।
- पंडित भातखण्डे, पंडित विष्णु दिगबंर पलुस्कर, पंडित औंकारनाथ ठाकुर, आचार्य बृह्स्पति, डॉ. प्रेमलता शर्मा, पंडित रामाश्रय झा,
- अवनध्द वाद्य संबंधित प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक ग्रंथ जैसे भारतीय वाद्यों का इतिहास, संगीत शास्त्र, भारतीय संगीत में ताल और रूप, अभिनव ताल मंजरी, भारतीय संगीत वाद्य।
- प्राचीन, मध्य एवं आधुनिक काल के अनवध्द वाद्यों के शास्त्रज्ञों का योगदान जैसे – कुदऊ सिंह, भगवानदास, राजा छत्रपति सिंह, अनोखेलाल, अहमद जान थिरकवा, सामता प्रसाद एवं किशन महाराज।
- मध्य एवं आधुनिक काल के कर्नाटक संगीत के प्रमुख शास्त्रज्ञों, रचनाकारों एवं मंच प्रदर्शक कलाकारों का योगदान – त्यागराज, मुथ्थू स्वामी दीक्षीतार, श्यामा शास्त्री, गोपाल कृष्ण भारती, प्रो. राम मूर्ति, वसन्ता कुमारी, सुब्बुलक्ष्मी, टी.एन. कृष्णन्।

Unit–V **Contribution of Scholars to Indian Music and their textual Tradition**

- Narad, Bharat, Dattil, Matang, Sharangdev, Nanyadev, Lochan, Ramamatya, Pundarik-Vithhal, Somnath, Damodar Mishra, Ahobal, Hardayanarayandev, Vyankatmukhi and Shrinivas.
- Pandit Bhatkhande, Pandit. V.D. Paluskar, Pandit Omkarnath Thakur, Aacharya Brahaspati, Dr. Premlata Sharma, Pandit Ramashrya Jha.
- Study of Ancient, Mediaval and modern Script in percussion instruments like Bartiya Vadhyon ka Itihas, Sangeet shastra, Bhartiya Sangeet me Taal aur Roop, Abhinav Tal Manjari, Bhartiya Sangeet vadhya.
- Contribution of various Scholars of Percussion Instruments in Ancient, Medieval an modern period like- Kudau Singh, Bhagvandas, Raja Chatra Pati singh, Anokhelal, Ahmad Jan Thirkava, Shamta Prasad and Kishan Maharaj.
- Contribution of Karnatak Scholars , composers, performers of Medieval and Modern period Tyagraj, Muthu Swami Diksutar, Syama Shashtri, Gopal krishna Bharti, Prof. Rammurthi, Vasanta Kumari, M.S. Subbu Laxmi, T.N. Krishnan.

इकाई–VI संगीत के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में

- प्राचीन, मध्य एवं अधुनिककाल में हिन्दुस्तानी संगीत (कंठ, वादन एवं अवनघ) का ऐतिहासिक विकास
- कर्नाटक संगीत एवं रविन्द्र संगीत का ऐतिहासिक विकास।
- महाभारत एवं रामायण काल में संगीत, जैन, बौद्ध तथा प्रतिशाख्य काल में संगीत।
- प्राचीन, मध्य एवं आधुनिक काल में हिन्दुस्तानी शास्त्रीय नृत्य का विकास
- पाश्चात्य संगीतज्ञों का भारतीय संगीत में योगदान

Unit–VI **In Historical perspective of Music**

- Historical development of hindustani Music (Vocal, Instrumental, Percussion) in Ancient, Medieval and modern age.
- Histrorical development of Karnatak Music and Ravindra sangeet
- Music in Mahabharata and Ramayan period, Music in Jain Boddh and pratishakhya period.

- Historical development of Indian Classical dance in Ancient, Medieval and Modern period.
- Contribution of western Musicians in Indian Music.

इकाई–VII सौंदर्यशास्त्र

- सौंदर्यशास्त्र का उद्‌गम, अभिव्यक्ति एवं परख, सौंदर्यशास्त्र के सिद्धांत एवं भारतीय संगीत से संबंध ।
- रस सिद्धांत एवं भारतीय संगीत में इसका प्रयोग।
- राग और रस पं. भरत एवं पं. अभिनव गुप्त के अनुसार।
- हिन्दुस्तानी संगीत (गायन, वादन एवं अवनद्य वाद्य) एवं कर्नाटक संगीत का सांगीतिक सौंदर्यशास्त्र तथा रस से संबंध ।
- राग–रागिनी चित्रों, रागध्यान के विशेष संदर्भ में ललितकलाओं का पारस्परिक संबंधों का अध्ययन।

Unit–VII **Aesthetics**

- Origin, Expression and Appreciation of Aesthetics. Principles of Aesthetics and its relation to Indian music.
- Rasa Theory and its applications in Indian Music.
- Raga and Ras according to pt. Bharat and Abhinav Gupt.
- Relationship of musical aesthetics and Ras in Hindustani music (Vocal, Instrumental and percussion) and Karnatak music.
- Study of Interrelationship of fine arts with special reference to Rag-Ragini paintings and Rag Dhyan.

इकाई–VIII वाद्य/नृत्य

- हिन्दुस्तानी, कर्नाटक तथा रविन्द्र संगीत में प्रयुक्त होने वाले वाद्य, उनकी उत्पत्ति तथा विकास।
- हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटकी संगीत के सुप्रसिद्ध कलाकारों की जीवनी एवं उनका संगीत में योगदान।
- तानपुरा तथा उसके उपस्वरों का महत्व।
- चर्तुविद वाद्य वर्गीकरण की उत्पत्ति एवं विकास।
- भारतीय नृत्यों की सामान्य जानकारी– कत्थक, भरतनाट्यम, कुचिपुडी, ओडिसी, कथकलि आदि।

Unit–VIII **Instrumental/ Dance**

- Instruments used in Hindustani, Karnataki and Ravindra Sangeet and its origin and development.
- Life sketch and Musical contribution of well known Hindustani and Karnataki artists.
- Importance of Tanpura and its harmonics
- Origin and development of chaturvidh Vadhya Classification.
- General knowledge of Indian Dance - like Kathak, Bharatnatyam, Kuchipudi, Odissi, Kathakali etc.

इकाई–IX लोक संगीत

- भारतीय संगीत पर लोक संगीत का प्रभाव एवं लोक संगीत का रागों में शैलीगत परिवर्तन, मध्यप्रदेश के शास्त्रीय संगीत घरानों की वैशिष्टता एवं उनके प्रमुख कलाकारों का योगदान।
- भारत के विभिन्न प्रान्तों के लोक संगीत का सामान्य अध्ययन, मध्यप्रदेश लोक संगीत में शास्त्रीय संगीत के तत्वों का विश्लेषण तथा लोक गायक एवं लोक वाद्य कलाकारों का योगदान।
- विभिन्न प्रान्तों की लोकधुन :– बाउल, भटियाली, लावणी, गरबा, कजरी, चैती, मांड, पंडवानी आदि।
- प्रसिद्ध लोक नृत्य एवं लोकवाद्यों की जानकारी।
- प्रसिद्ध लोक गायक, लोक वादक तथा लोक नृत्य कलाकारों की जानकारी।

Unit–IX **Folk Music**

- Influence of folk music on Indian classical music, stylisation of folk Melodies into Ragas.Uniqueness of the clasical music Gharanas of MP and the contribution of their artists.
- General study of folk music of various regions of India.Analysis of the elements of the classical music in the folk music of MP and contribution of folk singers and folk musical instrument players.
- Popular folk tunes of various regions like- Baul, bhatiyali, Lavani. Garba, Kajri, Chatiy, Mand, Pandwani and etc.
- Information of popular folk dance and folk instrument.
- Information of popular Folk-Vocalist, Folk- Instrumentalist and Folk Dance artist.

इकाई–X संगीत शिक्षण एवं तकनीक

- गुरुशिष्य परंपरा, एवं संस्थागत संगीत शिक्षा
- संगीत में इलेक्ट्रानिक वाद्ययंत्रों का महत्व एवं उनकी उपयोगिता।
- संगीत एवं शोध प्रविधि का अंतर्सम्बन्ध, शोध की सामान्य पद्धतियाँ, शोध की समस्याएँ एवं उनका समाधान संगीत के क्षेत्र में।
- शास्त्रात्मक तथा मौखिक परंपरा का संगीत में अन्तः सम्बन्ध।
- संगीत चिकित्सा एवं उसका मानव जीवन पर प्रभाव, म.प्र. शासन द्वारा दिए जाने वाले प्रमुख पुरस्कारों के नाम एवं नामांकित कलाकार (शास्त्रीय एवं सुगम संगीत के क्षेत्र में)

Unit–X **Music Teaching and Research Technology**

- Guru Shishya Parmpara and Institutional music teaching.
- Utility and importance of electronic equipments in music.
- Co-relation ship of music and research Methodology, various methods of research, problem and solution in field of music research.
- Inter-relation between text and oral Tradition.
- Music Therapy and its effect on Human life. Names of the main awards given by MP Government and nominated artists (in the field of classical and light classical music).

---xxx---